सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे
Savitribai Phule Pune University, Pune

एम. ए. हिंदी पाठ्यक्रम
M.A. Hindi Syllabus

संबंद्ध महाविद्यालयों के लिए
For Affiliated colleges

एम. ए. द्वितीय वर्ष
(तृतीय एवं चतुर्थ अयन)
Third & Fourth Semester

शैक्षिक वर्ष
Academic year

2020-2021

अनुक्रम

कोर्स नं.	एम. ए. हिंदी द्वितीय वर्ष (तृतीय अयन)		क्रेडिट	पृष्ठ क्रमांक
9	आधुनिक काव्य (आदर्शवादी, छायावादी तथा अन्य काव्य)		4	03
10	भाषाविज्ञान		4	05
11	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल)		4	07
12	वैकल्पिक			
	क)	हिंदी आलोचना	4	09
	ख)	संचार माध्यम : सिद्धांत और स्वरूप	4	11
कोर्स नं.	एम. ए. हिंदी द्वितीय वर्ष (चतुर्थ अयन)		क्रेडिट	पृष्ठ क्रमांक
13	आधुनिक कविता		4	14
14	हिंदी भाषा का विकास		4	16
15	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिककाल)		4	18
16	वैकल्पिक			
	क)	भारतीय लोकसाहित्य	4	20
	ख)	भारतीय साहित्य	4	22

एम. ए. हिंदी साहित्य द्वितीय वर्ष

तृतीय अयन (Third Semester)

पाठ्यचर्या : 9 आधुनिक काव्य (आदर्शवादी, छायावादी तथा अन्य काव्य)

4 कर्मांक (Credit)

उद्देश्य :

1. छात्रों को आधुनिक काव्य से अवगत कराना।
2. छात्रों में आधुनिक काव्य–अध्ययन की दृष्टि विकसित करना।
3. काव्य मूल्यांकन–दृष्टि विकसित करना।
4. काव्य–संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन से छात्रों को अवगत करना।
5. छात्रों में काव्य–सर्जन कला का विकास करना।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई– I	साकेत (नवम् सर्ग) – मैथिलीशरण गुप्त संवदेना एवं शिल्पगत अध्ययन	15 तासिकाएँ
इकाई– II	कामायनी (लज्जा सर्ग) – जयशंकर प्रसाद संवदेना एवं शिल्पगत अध्ययन	15 तासिकाएँ
इकाई– III	1) बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ – महादेवी वर्मा 2) पहाडी बच्चा – निर्मल पुतुल 3) कूडा बीनते बच्चे – अनामिका 4) जिंदगी का नमक – निर्मला गर्ग 5) अंधेरे में बुद्ध – गगन गिल उक्त रचनाओं का, संवदेना एवं शिल्पगत अध्ययन।	15 तासिकाएँ
इकाई– IV	1) बात बोलेगी – शमशेर बहादुर सिंह 2) एक पीली शाम – शमशेर बहादुर सिंह 3) भारत की आरती – शमशेर बहादुर सिंह 4) रोटी और संसद – धूमिल 5) मोचीराम – धूमिल उक्त रचनाओं का, संवदेना एवं शिल्पगत अध्ययन।	15 तासिकाएँ

अंक विभाजन – पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन –50 (लघुत्तरी परीक्षा–20, शोध परियोजना–20, प्रस्तुतिकरण–10)

सत्रांत परीक्षा – 50

सत्रांत परीक्षा – प्रश्नपत्र का प्रारूप :

(शैक्षिक वर्ष 2020–21 से आगे)

समय : 3 घंटे **अंक 50**

प्रश्न : 1 इकाई एक पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)।	10 अंक
प्रश्न : 2 इकाई दो पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)।	10 अंक
प्रश्न : 3 इकाई तीन पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)।	10 अंक
प्रश्न : 4 इकाई चार पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)।	10 अंक
प्रश्न : 5 बहुविकल्पि प्रश्न – 12 में से 10 (चार में से एक सही विकल्प का चयन कीजिए।)।	10 अंक

संदर्भ ग्रंथ :

1. काव्य प्रसून – संपादक हिंदी अध्ययन मंडल, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. कामायनी का पुनर्मूल्यांकन – डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
3. कामायनी : एक पुनर्विचार – ग. मा. मुक्तिबोध
4. साकेत – मैथिलीशरण गुप्त
5. कामायनी – जयशंकर प्रसाद
6. नये कविता के प्रतिमान – डॉ. नामवर सिंह
6. अनामिका का काव्य : आधुनिक स्त्री विमर्श – मंजु रस्तोगी
7. साकेत में पुनर्जागरण का आंदोलन – डॉ. जालिंदर इंगले।

***

एम. ए. हिंदी साहित्य द्वितीय वर्ष

तृतीय अयन : (Third Semester)

पाठ्यचर्या : 10 भाषा विज्ञान

4 कर्मांक (Credit)

उद्देश्य :

1. भाषाविज्ञान के स्वरूप का परिचय देना।
2. छात्रों को भाषाविज्ञान की व्याप्ति समझाना।
3. भाषाविज्ञान के अध्ययन की दिशाओं का परिचय देना।
4. भाषाविज्ञान के अनुप्रयोगात्मक पक्ष को समझाना।
5. साहित्य–अध्ययन में भाषाविज्ञान की उपयोगिता समझाना।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई– I	भाषाविज्ञान : परिभाषा, स्वरूप और व्याप्ति, अध्ययन की दिशाएँ।	15 तासिकाएँ
इकाई– II	स्वनिम विज्ञान : स्वन की परिभाषा, वागावयव और कार्य, स्वन वर्गीकरण, स्वनगुण, स्वनिम परिवर्तन।	15 तासिकाएँ
इकाई– III	रूपिम विज्ञान : रूप प्रक्रिया का स्वरूप और शाखाएँ, रूपिम की परिभाषा, रूपिम के भेद और प्रकार्य। पदबंध और उपवाक्य : पदबंध का स्वरूप, पदबंध के भेद, उपवाक्य का स्वरूप, उपवाक्य के भेद।	15 तासिकाएँ
इकाई– IV	वाक्य विज्ञान : वाक्य की परिभाषा और स्वरूप, वाक्य के भेद, वाक्य विश्लेषण। अर्थ विज्ञान : अर्थ की परिभाषा और स्वरूप, शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ और कारण।	15 तासिकाएँ

अंक विभाजन – पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन –50 (लघुत्तरी परीक्षा–20, शोध परियोजना–20, प्रस्तुतिकरण–10)

सत्रांत परीक्षा – 50

सत्रांत परीक्षा – प्रश्नपत्र का प्रारूप :

(शैक्षिक वर्ष 2020–21 से आगे)

समय : 3 घंटे **अंक 50**

प्रश्न : 1 इकाई एक पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)। 10 अंक

प्रश्न : 2 इकाई दो पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)। 10 अंक

प्रश्न : 3 इकाई तीन पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)। 10 अंक

प्रश्न : 4 इकाई चार पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)। 10 अंक

प्रश्न : 5 बहुविकल्पि प्रश्न – 12 में से 10 (चार में से एक सही विकल्प का चयन कीजिए।) 10 अंक

संदर्भ ग्रंथ :

1. भाषा और समाज – रामविलास शर्मा
2. आधुनिक भाषा विज्ञान – राजमणि शर्मा
3. सांस्कृतिक भाषा विज्ञान – डॉ. रामानंद तिवारी
4. भाषा विज्ञान – सं. डॉ. राजमल बोरा
5. भाषा शास्त्र तथा हिंदी भाषा की रूपरेखा – डॉ. देवेंद्रकुमार शास्त्री
6. भाषाविज्ञान – भोलानाथ तिवारी
7. भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
8. हिंदी भाषा संरचना – डॉ. भोलानाथ तिवारी
9. आधुनिक भाषाविज्ञान – डॉ. कृपाशंकर सिंह, डॉ. चतुर्भुज सहाय
10. हिंदी का वाक्यात्मक कारण – प्रो. सूरजभान सिंह
11. भाषाविज्ञान के आधुनातन आयाम – डॉ. अंबादास देशमुख
12. ऐतिहासिक भाषा विज्ञान और हिंदी – राजेंद्र प्रसाद सिंह
13. भाषा विज्ञान : सैद्धांतिक चिंतन – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
14. भाषाशास्त्र के सूत्रधार – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
15. भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा – लक्ष्मीकांत पाण्डेय/प्रमिला अवस्थी
16. भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा – मुकेश अग्रवाल
17. भाषा विज्ञान, हिंदी भाषा और लिपि – राम किशोर शर्मा
18. भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेंद्रनाथ शर्मा/दीप्ति शर्मा
19. अद्यतन भाषा विज्ञान – पाण्डेय शशिभूषण 'शीतांशु'
20. हिंदी भाषा विज्ञान – डॉ. बाबूराम
21. सामान्य भाषिकी – आर. एच. रोबिन्स
22. भाषिकी और संस्कृत भाषा – डॉ. देवीदत्त शर्मा

***

एम. ए. हिंदी साहित्य द्वितीय वर्ष

तृतीय अयन : (Third Semester)

पाठ्यचर्या : 11 हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल)

4 कर्मांक (Credit)

उद्देश्य :

1. हिंदी साहित्येतिहास लेखन का परिचय देना।
2. हिंदी साहित्येतिहास के कालविभाजन तथा नामकरण का परिचय देना।
3. आदिकालीन, भक्तिकालीन, रीतिकालीन प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियों, रचनाकारों और रचनाओं से परिचित कराना।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई– I	हिंदी साहित्येतिहास दर्शन, हिंदी साहित्येतिहास लेखन की पद्धतियाँ, हिंदी साहित्य का इतिहास : काल विभाजन और नामकरण।	15 तासिकाएँ
इकाई– II	आदिकाल की विशेषताएँ एवं साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, रासो साहित्य, जैन साहित्य, सिद्ध और नाथ साहित्य। अमीर खुसरो की हिंदी कविता।	15 तासिकाएँ
इकाई– III	भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप, आलवार संत, भक्तिकाल का प्रमुख संप्रदाय और उनका वैचारिक आधार। निर्गुण–सगुण कवि और उनका काव्य। निर्गुण धारा के कवि : कबीर, रैदास, दादू, नामदेव, जायसी, कुतुबन, मंझन। सगुण धारा के कवि : सूरदास, मीराबाई, रसखान, नंददास, तुलसीदास, नाभादास।	15 तासिकाएँ
इकाई– IV	रीतिकाल की सामाजिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ– रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त। रीतिकाल के प्रमुख कवि और उनका काव्य। बिहारी, केशव, घनानंद, देवा, भूषण, बोधा, आलम, ठाकुर।	15 तासिकाएँ

अंक विभाजन – पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन –50 (लघुत्तरी परीक्षा–20, शोध परियोजना–20, प्रस्तुतिकरण–10)

सत्रांत परीक्षा – 50

सत्रांत परीक्षा – प्रश्नपत्र का प्रारूप :

(शैक्षिक वर्ष 2020–21 से आगे)

समय 3 घंटे **अंक 50**

प्रश्न : 1 इकाई एक पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)। 10 अंक

प्रश्न : 2 इकाई दो पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)। 10 अंक

प्रश्न : 3 इकाई तीन पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)। 10 अंक

प्रश्न : 4 इकाई चार पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)। 10 अंक

प्रश्न : 5 बहुविकल्पि प्रश्न – 12 में से 10 (चार में से एक सही विकल्प का चयन कीजिए।)। 10 अंक

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – आ. रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य की भूमिका – आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. हिंदी साहित्य का आदिकाल – आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
4. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
5. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ. रामकुमार वर्मा
6. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
7. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेंद्र
8. हिंदी साहित्य का अतीत – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
9. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह
10. हिंदी साहित्य का इतिहास – प्रो. माधव सोनटक्के

***

एम. ए. हिंदी साहित्य द्वितीय वर्ष

तृतीय अयन : (Third Semester) वैकल्पिक

पाठ्यचर्या : 12 (क) हिंदी आलोचना

4 कर्मांक (Credit)

उद्देश्य :

1. आलोचना के स्वरूप एवं विविध प्रकारों से अवगत कराना।
2. हिंदी के प्रमुख आलोचकों के आलोचनात्मक प्रतीमानों का परिचय देना।
3. साहित्यालोचन एवं व्यावहारिक समीक्षा दृष्टि विकसित करना।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई– I	आलोचना : स्वरूप एवं उद्देश्य। आलोचक के गुण। आलोचना और अनुसंधान।	15 तासिकाएँ
इकाई– II	आलोचना दृष्टियाँ एवं पद्धतियाँ। मार्क्सवादी, मनोवैज्ञानिक, शैलीवैज्ञानिक, प्रकृतिवादी।	15 तासिकाएँ
इकाई– III	हिंदी आलोचना का संक्षिप्त इतिहास, भारतेंदुकालीन आलोचना, द्विवेदीयुगीन आलोचना, आ. शुक्ल युगीन आलोचना, शुक्लोतर आलोचना, समकालीन आलोचना।	15 तासिकाएँ
इकाई– IV	हिंदी के प्रमुख आलोचक आ. रामचंद्र शुक्ल, आ. नंददुलारे वाजपेयी, आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी, डॉ. रामविलास शर्मा, डॉ. नामवर सिंह।	15 तासिकाएँ

अंक विभाजन – पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन –50 (लघुत्तरी परीक्षा–20, शोध परियोजना–20, प्रस्तुतिकरण–10)

सत्रांत परीक्षा – 50

सत्रांत परीक्षा – प्रश्नपत्र का प्रारूप :

(शैक्षिक वर्ष 2020–21 से आगे)

समय : 3 घंटे **अंक 50**

प्रश्न : 1 इकाई एक पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)।	10 अंक
प्रश्न : 2 इकाई दो पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)।	10 अंक
प्रश्न : 3 इकाई तीन पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)।	10 अंक
प्रश्न : 4 इकाई चार पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)।	10 अंक
प्रश्न : 5 बहुविकल्पि प्रश्न – 12 में से 10 (चार में से एक सही विकल्प का चयन कीजिए।)।	10 अंक

संदर्भ ग्रंथ :

1. समीक्षा शास्त्र – डॉ. दशरथ ओझा
2. हिंदी आलोचना के आधार स्तंभ – डॉ. रामेश्वरलाल खंडेलवाल
3. आलोचनाःप्रकृति और परिवेश – डॉ. तारकानाथ बाली
4. आ. शुक्ल के समीक्षा सिद्धांत – डॉ. रामलाल सिंह
5. इतिहास और आलोचना – डॉ. नामवर सिंह
6. आधुनिक आलोचना के बीज शब्द – बच्चन सिंह
7. हिंदी आलोचना – विश्वनाथ त्रिपाठी
8. समकालीन आलोचक और आलोचना – रामबक्ष
9. हिंदी आलोचना के सैद्धांतिक आधार – कृष्णदत्त पालीवाल
10. साहित्यशास्त्र तथा आलोचना – डॉ. माधव सोनटक्के
11. हिंदी आलोचना की पहचान – डॉ. राजमल बोरा
12. हिंदी आलोचना का बदलता परिप्रेक्ष्य – सं. डॉ. माधव सोनटक्के

***

एम. ए. हिंदी साहित्य द्वितीय वर्ष

तृतीय अयन : (Third Semester) वैकल्पिक

पाठ्यचर्या : 12 (ख) संचार माध्यम : सिद्धांत और स्वरूप

4 कर्मांक (Credit)

उद्देश्य :

1. संचार माध्यम और संप्रेषण अवधारणाओं का परिचय देना।
2. संचार माध्यम की अवधारणा और स्वरूप का परिचय देना।
3. संचार माध्यम की बहुआयामी भूमिका का परिचय देना।
4. संचार माध्यम कौशल विकसित करना।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई– I	संचार, जनसंचार तथा संप्रेषण : अवधारणा और स्वरूप। संचार माध्यम : सिद्धांत और स्वरूप। संचार के संघटक तत्व। संचार–माध्यमों से लाभ–हानि।	15 तासिकाएँ
इकाई– II	सूचना क्रांति बनाम सूचना–उद्योग। संचार माध्यम के प्रकार : 1) परंपरागत, 2) मौखिक, 3) लिखित, 4) आधुनिक।	15 तासिकाएँ
इकाई– III	आधुनिक संचार माध्यम : 1) मुद्रित, 2) रेडियो, 3) चलचित्र, 4) विद्युतीय, 5) बहुमाध्यम, 6) हाइपर मीडिया संचार माध्यमों द्वारा संप्रेषित संदेश की भाषिक प्रकृति।	15 तासिकाएँ
इकाई– IV	संचार माध्यमों की बहुआयामी भूमिका : 1) जन संपर्क, 2) जन शिक्षण, 3) जन प्रबोधन, 4) जन निर्माण, 5) जन समस्या का समाधान, 6) जन रंजन। वर्तमान सूचना क्रांति के विविध आयाम।	15 तासिकाएँ

अंक विभाजन – पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन –50 (लघुत्तरी परीक्षा–20, शोध परियोजना–20, प्रस्तुतिकरण–10)

सत्रांत परीक्षा – 50

सत्रांत परीक्षा – प्रश्नपत्र का प्रारूप :

(शैक्षिक वर्ष 2020–21 से आगे)

समय : 3 घंटे **अंक 50**

प्रश्न : 1 इकाई एक पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)। 10 अंक

प्रश्न : 2 इकाई दो पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)। 10 अंक

प्रश्न : 3 इकाई तीन पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)। 10 अंक

प्रश्न : 4 इकाई चार पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)। 10 अंक

प्रश्न : 5 बहुविकल्पि प्रश्न – 12 में से 10 (चार में से एक सही विकल्प का चयन कीजिए।)। 10 अंक

संदर्भ ग्रंथ :

1. जनसंचार के विविध आयाम – ब्रजमोहन गुप्त
2. जनमाध्यम और मासकल्चर – जगदीश्वर चतुर्वेदी
3. जनमाध्यम और पत्रकारिता (भाग : 1, 2) – प्रवीण दीक्षित
4. रेडियो और दूरदर्शन और हिंदी – डॉ. हरिमोहन
5. जनमाध्यम : संप्रेषण और विकास – देवेंद्र इस्सर
6. सिनेमाई भाषा और हिंदी संवादों का विश्लेषण – डॉ. किशोर वासवानी
7. जनसंचार – राधेश्याम शर्मा
8. जनसंचार सिद्धांत और अनुप्रयोग – विष्णु राजगढ़िया
9. जनसंचार माध्यम और पत्रकारिता सर्वांग – डॉ. जितेंद्र वत्स, डॉ. किरण बाल
10. जनसंचार और हिंदी पत्रकारिता – डॉ. अर्जुन तिवारी
11. आधुनिक पत्रकारिता और इलेक्ट्रनिक मीडिया – डॉ. जालिंदर इंगले।

***

एम. ए. हिंदी द्वितीय वर्ष
चतुर्थ अयन **(Fourth Semester)**

कोर्स नं.	एम. ए. हिंदी द्वितीय वर्ष (चतुर्थ अयन)		क्रेडिट	पृष्ठ क्रमांक
13	आधुनिक कविता		4	14
14	हिंदी भाषा का विकास		4	16
15	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिककाल)		4	18
16	वैकल्पिक			
	क)	भारतीय लोकसाहित्य	4	20
	ख)	भारतीय साहित्य	4	22

एम. ए. हिंदी साहित्य द्वितीय वर्ष

चतुर्थ अयन : (Fourth Semester)

पाठ्यचर्या : 13 आधुनिक कविता

4 कर्मांक (Credit)

उद्देश्य :

1. छात्रों को आधुनिक काव्य से अवगत कराना।
2. छात्रों में आधुनिक काव्य–अध्ययन की दृष्टि विकसित करना।
3. सर्जनात्मक कौशल से अवगत करना।
4. आलोचानात्मक दृष्टि विकासित करना।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई– I	1) बादल को घिरते देखा – नागार्जुन 2) शासन की बंदूक – नागार्जुन 3) मेरी आभा है इसी में – नागार्जुन 4) जन जन का चेहरा एक – मुक्तिबोध 5) भूल गलती – मुक्तिबोध उक्त रचनाओं का, संवदेना एवं शिल्पगत अध्ययन।	15 तासिकाएँ
इकाई– II	1) असाध्य वीणा – अज्ञेय 2) हीरोसिमा – अज्ञेय 3) कनुप्रिया अंश – धर्मवीर भारती 4) ठंडा लोहा – धर्मवीर भारती 5) फिरोजी होंठ – धर्मवीर भारती उक्त रचनाओं का, संवदेना एवं शिल्पगत अध्ययन।	15 तासिकाएँ
इकाई– III	1) आदिवासी स्त्रियाँ – निर्मला पुतुल 2) बूढी पृथ्वी का दुख – निर्मला पुतुल 3) दरवाजा – अनामिका 4) जनम ले रहा है नया पुरुष – अनामिका 5) नमक – अनामिका उक्त रचनाओं का, संवदेना एवं शिल्पगत अध्ययन।	15 तासिकाएँ
इकाई– IV	1) पेड़ का नाच – लीलाधर मंडलोई 2) जानती है सिर्फ नदी – लीलाधर मंडलोई 3) गुंगा नहीं था मैं – जयप्रकाश कर्दम 4) बेमानी है आजादी – जयप्रकाश कर्दम	15 तासिकाएँ

	5) शुक्र है तू नहीं है – जयप्रकाश कर्दम उक्त रचनाओं का, संवदेना एवं शिल्पगत अध्ययन।	

अंक विभाजन – पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन –50 (लघुत्तरी परीक्षा–20, शोध परियोजना–20, प्रस्तुतिकरण–10)

सत्रांत परीक्षा – 50

सत्रांत परीक्षा – प्रश्नपत्र का प्रारूप :

(शैक्षिक वर्ष 2020–21 से आगे)

समय : 3 घंटे **50 अंक**

प्रश्न : 1 इकाई एक पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)। 10 अंक

प्रश्न : 2 इकाई दो पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)। 10 अंक

प्रश्न : 3 इकाई तीन पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)। 10 अंक

प्रश्न : 4 इकाई चार पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)। 10 अंक

प्रश्न : 5 बहुविकल्पि प्रश्न – 12 में से 10 (चार में से एक सही विकल्प का चयन कीजिए।)। 10 अंक

संदर्भ ग्रंथ :

1. 'काव्य सारंग' – संपादक हिंदी अध्ययन मंडल, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

***

एम. ए. हिंदी साहित्य द्वितीय वर्ष

चतुर्थ अयन : (Fourth Semester)

पाठ्यचर्या : 14 हिंदी भाषा का विकास

4 कर्मांक (Credit)

उद्देश्य :

1. हिंदी भाषा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से अवगत कराना।
2. आधुनिक आर्य भाषाओं का परिचय देना।
3. हिंदी के स्वनिम व्यवस्था का परिचय देना।
4. हिंदी की रूप रचना से अवगत अवगत करना।
5. हिंदी भाषा के योगदान से अवगत करना।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई– I	हिंदी भाषा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ : वैदिक संस्कृत, लौकिक संस्कृत। मध्यकालीन आर्य भाषाएँ : पालि, प्राकृत, शौरसेनी, पैशाची, महाराष्ट्री, अर्धमागधी, मागधी।	15 तासिकाएँ
इकाई– II	आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ : बंगाली, असमिया, उडिया, हिंदी, गुजराती, पंजाबी, सिंधी, गढ़वाली, मराठी।	15 तासिकाएँ
इकाई– III	हिंदी की स्वनिम व्यवस्था : खंडय और खंडेयत्तर, हिंदी ध्वनियों के वर्गीकरण का आधार, हिंदी शब्द रचना – उपसर्ग, प्रत्यय, समास।	15 तासिकाएँ
इकाई– IV	हिंदी की रूप रचना : संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया रूप, लिंग, वचन, कारक व्यवस्था।	15 तासिकाएँ

अंक विभाजन – पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन –50 (लघुत्तरी परीक्षा–20, शोध परियोजना–20, प्रस्तुतिकरण–10)

सत्रांत परीक्षा – 50

सत्रांत परीक्षा – प्रश्नपत्र का प्रारूप :

(शैक्षिक वर्ष 2020–21 से आगे)

समय : 3 घंटे **अंक 50**

प्रश्न : 1 इकाई एक पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)। 10 अंक

प्रश्न : 2 इकाई दो पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)। 10 अंक

प्रश्न : 3 इकाई तीन पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)। 10 अंक

प्रश्न : 4 इकाई चार पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)। 10 अंक

प्रश्न : 5 बहुविकल्पि प्रश्न – 12 में से 10 (चार में से एक सही विकल्प का चयन कीजिए।)। 10 अंक

संदर्भ ग्रंथ :

1. भाषाविज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी
2. भाषाशास्त्र तथा हिंदी भाषा की रूपरेखा – डॉ. देवेंद्रकुमार शास्त्री
3. भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
4. हिंदी भाषा संरचना – डॉ. भोलानाथ तिवारी
5. आधुनिक भाषाविज्ञान – डॉ. कृपाशंकर सिंह, डॉ. चतुर्भुज सहाय
6. हिंदी का वाक्यात्मक कारण – प्रो. सूरजभान सिंह
7. भाषाविज्ञान के आधुनातन आयाम – डॉ. अंबादास देशमुख
8. ऐतिहासिक भाषा विज्ञान और हिंदी – राजेंद्र प्रसाद सिंह
9. भाषाविज्ञान : सैद्धांतिक चिंतन – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
10. भाषाशास्त्र के सूत्रधार – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
11. भाषाविज्ञान एवं हिंदी भाषा – लक्ष्मीकांत पाण्डेय/प्रमिला अवस्थी
12. भाषाविज्ञान एवं हिंदी भाषा – मुकेश अग्रवाल

13 भाषाविज्ञान, हिंदी भाषा और लिपि – राम किशोर शर्मा

***

एम. ए. हिंदी साहित्य द्वितीय वर्ष

चतुर्थ अयन : (Fourth Semester)

पाठ्यचर्या : 15 हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

4 कर्मांक (Credit)

उद्देश्य :

1. हिंदी गद्य के उद्भव और विकास से छात्रों को अवगत कराना।
2. द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद और नई कविता के प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियों, रचनाकारों और रचनाओं से परिचित कराना।
3. ऐतिहासिक दृष्टि विकसित करना।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई– I	हिंदी गद्य का उद्भव और विकास : भारतेंदु पूर्व हिंदी गद्य : 1957 की क्रांति और सांस्कृतिक पुनर्जागरण : भारतेंदु युग, 19 वीं शताब्दी की हिंदी पत्रकारिता।	15 तासिकाएँ
इकाई– II	द्विवेदी युग : महावीरप्रसाद द्विवेदी और उनका युग, हिंदी नवजागरण और स्वरस्वती पत्रिका, राष्ट्रीय काव्यधारा के प्रमुख कवि, स्वच्छंदतावाद और उसके प्रमुख कवि।	15 तासिकाएँ
इकाई– III	छायावाद, प्रगतिवाद : छायावादी काव्य की प्रमुख विशेषताएँ, छायावाद के प्रमुख कवि। प्रगतिवादी काव्य और प्रमख कवि, प्रगतिवादी काव्य की विशेषताएँ।	15 तासिकाएँ
इकाई– IV	प्रयोगवाद, नई कविता : प्रयोगवाद के प्रमुख कवि, प्रयोगवाद की विशेषताएँ, नई कविता की विशेषताएँ, नई कविता के प्रमुख कवि।	15 तासिकाएँ

अंक विभाजन – पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन –50 (लघुत्तरी परीक्षा–20, शोध परियोजना–20, प्रस्तुतिकरण–10)

सत्रांत परीक्षा – 50

सत्रांत परीक्षा – प्रश्नपत्र का प्रारूप :

(शैक्षिक वर्ष 2020–21 से आगे)

समय : 3 घंटे **अंक 50**

प्रश्न : 1 इकाई एक पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)।	10 अंक
प्रश्न : 2 इकाई दो पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)।	10 अंक
प्रश्न : 3 इकाई तीन पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)।	10 अंक
प्रश्न : 4 इकाई चार पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)।	10 अंक
प्रश्न : 5 बहुविकल्पि प्रश्न – 12 में से 10 (चार में से एक सही विकल्प का चयन कीजिए।)।	10 अंक

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – आ. रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य की भूमिका – आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. हिंदी साहित्य का आदिकाल – आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
4. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
5. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ. रामकुमार वर्मा
6. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
7. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेंद्र
8. हिंदी साहित्य का अतीत – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
9. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह
10. हिंदी साहित्य का इतिहास – प्रो. माधव सोनटक्के
11. हिंदी साहित्य का नया इतिहास – डॉ. राजेंद्र मिश्र

***

एम. ए. हिंदी साहित्य द्वितीय वर्ष

चतुर्थ अयन : (Fourth Semester) वैकल्पिक

पाठ्यचर्या : 16 (क) भारतीय लोकसाहित्य

4 कर्मांक (Credit)

उद्देश्य :

1. लोकसाहित्य के स्वरूप एवं महत्व से परिचित कराना।
2. लोकसाहित्य के विविध प्रकारों से परिचित कराना।
3. लोक साहित्य की व्यापकता से परिचित कराना।
4. महाराष्ट्र के लोक साहित्य का परिचय देना।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई– I	लोकसाहित्य की परिभाषा, स्वरूप एवं विशेषताएँ, लोक संस्कृति और साहित्य, भारत में लोकसाहित्य के अध्ययन का इतिहास।	15 तासिकाएँ
इकाई– II	लोक–साहित्य संकलन : उद्देश्य, संकलन की पद्धतियाँ, संकलन कर्ता की समस्याएँ तथा समाधान।	15 तासिकाएँ
इकाई– III	लोक–गीत : संस्कार, व्रत, श्रम, ऋतु, जाति। लोकनाट्य : रामलीला, रासलीला, कीर्तनिया, स्वांग, यक्षगान, भवाई, जात्रा। महाराष्ट्र का लोकनाट्य : तमाशा, गोंधळ, लावणी, पोतराज, सुंबरन, वासुदेव, भारुड, लळित, दशावतार, पोवाडा, कीर्तन।	15 तासिकाएँ
इकाई– IV	लोक–कथा : व्रत कथा, परी कथा, नाग कथा, बोध कथा, कथानक रूढ़ियाँ। लोक संगीत : लोकवाद्य तथा विशिष्ट लोक धुनें। लोकभाषा : लोक सुभाषित, मुहावरे, कहावतें, पहेलियाँ।	15 तासिकाएँ

अंक विभाजन – पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन –50 (लघुत्तरी परीक्षा–20, शोध परियोजना–20, प्रस्तुतिकरण–10)

सत्रांत परीक्षा – 50

सत्रांत परीक्षा – प्रश्नपत्र का प्रारूप :

(शैक्षिक वर्ष 2020–21 से आगे)

समय : 3 घंटे अंक 50

प्रश्न : 1 इकाई एक पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)। 10 अंक

प्रश्न : 2 इकाई दो पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)। 10 अंक

प्रश्न : 3 इकाई तीन पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)। 10 अंक

प्रश्न : 4 इकाई चार पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)। 10 अंक

प्रश्न : 5 बहुविकल्पि प्रश्न – 12 में से 10 (चार में से एक सही विकल्प का चयन कीजिए।)। 10 अंक

संदर्भ ग्रंथ :

1. भारतीय लोकसाहित्य – डॉ. श्याम परमार
2. लोकसाहित्य की भूमिका – डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
3. लोकसाहित्य की भूमिका – पं. रामनरेश त्रिपाठी
4. महाराष्ट्र की हिंदी लोककला – कृ. ग. दिवाकर
5. लोकसाहित्य और लोकसंस्कृति – दिनेश्वर प्रसाद
6. पारंपरिक भारतीय रंगमंच – कपिला वात्स्यायन, अनु. बरीउज्जया
7. लोकसाहित्य विज्ञान – डॉ. सत्येंद्र
8. लोकसाहित्य एवं लोक संस्कृति : परंपरा की प्रासंगिकता एवं सामाजिक परिप्रेक्ष्य – सं. वीरेंद्रसिंह यादव

***

एम. ए. हिंदी साहित्य द्वितीय वर्ष

चतुर्थ अयन : (Fourth Semester) वैकल्पिक

पाठ्यचर्या : 16 (ख) भारतीय साहित्य

4 कर्मांक (Credit)

उद्देश्य :

1. भारतीय साहित्य से छात्रों को अवगत कराना।
2. भारतीय साहित्य का स्वरूप समझाना।
3. भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ सुलझाना।
4. भारतीयता का समाजशास्त्र समझाना।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई– I	भारतीय साहित्य की अवधारणा, भारतीय साहित्य का स्वरूप, भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ।	15 तासिकाएँ
इकाई– II	भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिंब, भारतीयता का समाजशास्त्र, हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति।	15 तासिकाएँ
इकाई– III	कन्नड साहित्य का इतिहास 1) पंपपूर्व युग 2) पंप युग 3) बसवा युग 4) कुमाराव्यास युग 5) आधुनिक युग	15 तासिकाएँ
इकाई– IV	रसीदी तिकट – अमृता प्रीतम। रचनाकार का व्यक्तित्व एवं कृतित्व, संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन।	15 तासिकाएँ

अंक विभाजन – पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन –50 (लघुत्तरी परीक्षा–20, शोध परियोजना–20, प्रस्तुतिकरण–10)

सत्रांत परीक्षा – 50

सत्रांत परीक्षा – प्रश्नपत्र का प्रारूप :

(शैक्षिक वर्ष 2020–21 से आगे)

समय : 3 घंटे **50 अंक**

प्रश्न : 1 इकाई एक पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)। 10 अंक

प्रश्न : 2 इकाई दो पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)। 10 अंक

प्रश्न : 3 इकाई तीन पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)। 10 अंक

प्रश्न : 4 इकाई चार पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)। 10 अंक

प्रश्न : 5 बहुविकल्पि प्रश्न – 12 में से 10 (चार में से एक सही विकल्प का चयन कीजिए।) 10 अंक

संदर्भ ग्रंथ :

1. रसीदी तिकट – अमृता प्रीतम, पराग प्रकाशन, दिल्ली
2. भारतीय साहित्य – डॉ. छबिला त्रिपाठी
3. भारतीय साहित्य – डॉ. ब्रजकिशोर प्रसाद सिंह।

***